Regarding Central University in Himachal Pradesh.

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर) : धन्यवाद सभापति महोदया । मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान एक बहुत गंभीर विषय पर आकर्षित करने वाला हूं । सेंट्रल यूनिवर्सिटी हिमाचल प्रदेश के लिए जो देहरा, धर्मशाला में बननी है, वर्ष 2009 में इसकी स्वीकृति हुई थी, आज वर्ष 2025 है । 16 वर्ष बीत गए हैं । एक टेम्पररी कैंपस में वह यूनिवर्सिटी चल रही है । सरकार की ओर से कोई कमी नहीं है । माननीय प्रधानमंत्री जी ने उस यूनिवर्सिटी के लिए 250 करोड़ रुपये की बजाय 500 करोड़ रुपये दिये हैं । इसके लिए मैं माननीय प्रधानमंत्री जी का आभार प्रकट करना चाहता हूं । लेकिन, राज्य की ओर से जमीन देने में देरी की गई और फॉरेस्ट क्लीयरेंस भी नहीं दी गई । उसके बाद अगर सीपीडब्ल्यूडी की बात की जाए तो वहां पर जो चीफ इंजीनियर और एक्सईएन की नियुक्ति होनी चाहिए थी, वह भी नहीं हुई है । सेंट्रल यूनिवर्सिटी के अधिकारियों की उसके प्रति जो गंभीरता दिखनी चाहिए, वह भी नजर नहीं आती है ।

मेरा आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी अनुरोध रहेगा कि इसके ऊपर तुरंत एक बैठक बुलाकर उसको रिकॉर्ड समय के अंदर पूरा करवाया जाए । अन्यथा, युवाओं का भविष्य, जो एक बेहतर विश्वविद्यालय के अंदर अच्छी शिक्षा प्राप्त करने का होना चाहिए था, आज वे एक टेम्पररी कैंपस, जो दस साल से चल रहा है, उसमें पढ़ाई कर रहे हैं ।

महोदया, अभी वेणुगोपाल जी ने जो विषय उठाया है, वह बहुत गंभीर है । ड्रग्स के प्रति एक मुहिम भारत सरकार, राज्य की सरकारें, समाज और हम सभी सांसदों के साथ-साथ विधायकों को भी इकट्ठे मिलकर चलानी चाहिए, ताकि हम ड्रग्स को धरातल से खत्म करें, अपने युवाओं को बचा सकें और भारत का वर्तमान और भविष्य सुरक्षित और सशक्त हो, ऐसी हमारी कल्पना है ।